Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D–1107

PAPER–III
DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : 32 Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Kautilya, also known as Vishnugupta, was a great strategic genius of India. What he wrote in his famous treatise, Arthashastra, on the ancient military wisdom, military organisation, arms and services, types of wars, forts and fortification, secret service, battle arrays and battle procedure became norms and codes of military systems for many succeeding centuries . He himself played a significant role through establishing a strong Mauryan empire under Chandragupta Maurya and suggesting state mechanism against external aggression. That was how, for centuries, India enjoyed impregnable defence against foreign invaders. His views on internal security were full of statesmanship and strategic farsightedness, particularly when he aptly compared internal instability with the lurking hood of a snake, which must be crippled without delay. His views on administration, war council, war finance and mobilisation of resources are exemplary.

The Mandala theory propounded by him on the inter-state relations and policy options are still relevant in various ways, particularly when the world is in a state of flux. According to one analysis, he combined in himself the authoritarianism of Lenin, the patriortism of Chiang and the idealism of Woodrow Wilson. However, in Western view, he has found less importance in strategic circles vis-a-vis Chinese thinker Suntzu and others.

कौटिल्य, जो विष्णुगुप्त भी कहलाये, भारत के एक महान स्त्रातजिक चिंतक थे। प्राच्य सैन्य प्रज्ञा, सैन्य संगठन, शस्त्र एवं सेवाएं, युद्धों के विविध प्रकार, किले एवं किलेबंदी, गुप्तचर व्यवस्था, व्यूह रचना तथा प्रक्रिया आदि पर उनके द्वारा रचित अर्थशास्त्र में प्रतिपादित विचार शताब्दियों तक सैन्य–व्यवस्थाओं के लिए आचार संहिता बने रहे। उन्होंने चंद्रगुप्त द्वारा प्रशासित मौर्य साम्राज्य को बाह्य आक्रमणों से सुरक्षित करने के ऐसे महत्वपूर्ण सुझाव दिये, जिन्होंने कालान्तर तक भारत को विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध अभेद्य बनाया। आंतरिक सुरक्षा पर उनके विचार स्त्रातजिक एवं कूटनीतिक दूरदर्शिता से परिपूर्ण है, विशेष रूप से जब वह आंतरिक अस्थिरता को उसे सर्प के उठे फन की तरह बताते हैं जिसे कुचलने में जरा भी देरी नहीं करनी चाहिए। प्रशासन, युद्ध परिषद, यौद्धिक वित्त व्यवस्था एवं सैन्य संसाधन संग्रहण पर उनके विचार अनुकरणीय हैं।

अन्तर्राज्यीय संबंधों एवं नीतिगत विकल्पों पर उनके द्वारा प्रतिपादित मंडल सिद्धांत आज की गतिशील विश्वव्यवस्था में अत्यंत उपादेय हैं। एक विश्लेषण के अनुसार वह लेनिन के निरंकुशवाद च्यांग काई शेक की देशभक्ति एवं वूड्रो विल्सन के आदर्शवाद को अपने व्यक्तित्व में समाहित करते थे। बावजूद इन सभी बातों के पाश्चात्य युद्धनीतिक चिंतन में उन्हें चीनी चिंतक सुनट्ज़ू तथा अन्य की तुलना में कम महत्व दिया गया है।

1. What are the core contents of Kautilya's Arthahastra ?
कौटिल्य के अर्थशास्त्र के प्रमुख विचार बिंदु क्या थे ?

2. What role did Kautilya play in the creation of Mauryan empire ?
मौर्य साम्राज्य में कौटिल्य की भूमिका क्या थी ?

3. How did Kautilya view the issue of internal instability ?
आंतरिक अस्थिरता को कौटिल्य ने कैसे देखा?

4. What was Kautilya's Mandala theory of the inter-state relations ?
कौटिल्य का अन्तर्राज्यीय सम्बंधों में मंडल सिद्धांत का क्या संदर्भ था?

5. Bring out a critique of Kautilya.

कौटिल्य को कैसे आलोचित करेंगें?

SECTION - II / खण्ड–II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. Define National Power.

राष्ट्रीय शक्ति की परिभाषा कीजिए।

7. Define National Interest.
राष्ट्रीय हित को परिभाषित कीजिए।

8. What according to Mahan are the main elements of Sea Power ?
महान के अनुसार सामुद्रिक शक्ति के प्रमुख तत्व क्या हैं?

9. What are the critical technologies ? Give examples.
क्रांतिक प्रौद्योगिकी क्या है? सोदाहरण बताइए।

10. Define Low Intensity Conflict.
न्यून तीव्रता के संघर्ष को परिभाषित कीजिए।

11. What were the main characteristics of Kautilya's Mandal Theory ?
कौटिल्य के मंडल सिद्धांत की प्रमुख विशेषताएँ क्या थी ?

12. Differentiate between Arms Control and Disarmament.
शस्त्र नियंत्रण एवं नि:शस्त्रीकरण के बीच अंतर स्थापित कीजिए।

13. Define Terrorism.

आतंकवाद की परिभाषा कीजिये।

14. What is Cyber Terrorism ?

साइबर आतंकवाद क्या है?

15. Enumerate the elements of Military Geography.

सैन्य भूगोल के तत्वों को बताइए।

16. Outline main sources of International Humanitarian Law.

अन्तर्राष्ट्रीय मानवीय विधि के प्रमुख स्रोतों को रेखांकित कीजिए।

17. What are the essentials of Defence Planning ?
रक्षा नियोजन के आवश्यक तत्व क्या हैं?

18. Why was VETO introduced in the UN ?
संयुक्त राष्ट्र में निषेधाधिकार क्यों स्थापित किया गया था?

19. Define Globalization.

भूमंडलीयकरण को परिभाषित कीजिए।

20. Enumerate the principles of Modern War.

आधुनिक युद्ध के सिद्धान्त बताइए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. All questions are compulsory. Each answer is to be given in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में पाँच (5) प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक के बारह (12) अंक है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में देना है।

(12x5=60 अंक)

21. Analyse any two elements of National Power.

राष्ट्रीय शक्ति के किन्हीं दो तत्वों का विश्लेषण कीजिए।

22. Give one reason why India did not sign CTBT.

सी.टी.बी.टी. पर भारत द्वारा हस्ताक्षर न किये जाने के एक कारण को समझाइए।

23. How does the transfer of defence technology influence the basic relationship between donor and recipient countries ? Explain.

रक्षा प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण दाता एवं प्राप्तकर्त्ता देशों के आधारभूत सम्बंधों को कैसे प्रभावित करती है? समझाइए।

24. What should India do to check cross-border infiltration ?

सीमापार घुसपैठ को भारत कैसे रोके ?

25. Analyse major components of India's Nuclear Doctrine.

भारत की नाभिकीय डाक्ट्रिन के मुख्य तत्वों को विश्लेषित कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. "Force alone cannot bring peace, it can only create a context in which peace can be built." Explain.

''बल प्रयोग से ही शांति नहीं लाई जा सकती यह तो मात्र वह संदर्भ बना सकती है जिसमें शांति का निर्माण किया जा सके।'' समझाइए।

OR / अथवा

How does religious fundamentalism threatens the Nation-State ? Explain with examples.

राष्ट्र-राज्य को धार्मिक कट्टरवाद कैसे आक्रान्त करता है? सोदाहरण समझाइए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....